www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

बेह्सेट्स रोग

के संस्करण 2016

3. दैनिक दिनचर्या

3.1 यह रोग बच्चे और उसके परिवार के दैनिक जीवन को कैसे प्रभावित कर सकता है ?

किसी भी अन्य जीर्ण बीमारी की तरह बी.डी. बच्चों और उनके परिवार के दैनिक जीवन को प्रभावित करता है। आम तौर पर रोग हलका हो तो आँख और प्रमुख अंग लिप्त नहीं होते है, बच्चे और उनका परिवार सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते है। सबसे आम समस्या बारबार होने वाले मौखिक अल्सर है जो कई बच्चों के लिए कस्टप्रद होती है। यह घाव दर्दनाक हो सकती है और खाने और पीने में दखल दे सकती है। आँखों की भागीदारी भी परिवार के लिए गंभीर हो सकती है।

3.2 स्कूल के बारे में क्या ?

जिन बच्चों में स्थाई रोग होता है उन्हें अपनी शिक्षा को जारी रखना चाहिए। जब तक बी.डी. से आँखों और अन्य प्रमुख अंग प्रभावित नहीं होते है तब तक बच्चों को नियमित रूप से स्कूल में शामिल होना चाहिए। दृश्य हनी में विशेष शैक्षिक कार्यक्रम की आवश्यकता होती है।

3.3 खेल क बारे में ?

जिन बच्चे में केवल त्वचा एवं म्युकोसा लिप्त है, वे सामन्य खेलकूद गतिविधियों में भाग ले सकते है। जोड़ो के सुजन के दौरान खेलों से बचना चाहिए। बी.डी. में गठिया अल्पकालिक और पुन: पूरी तरह से ठीक हो जाता है। मरीज पुन: खेल खेलना शुरू कर सकता है जब सुजन पूरी तरह से ख़त्म हो जाती है। हालांकि बच्चों में पाव की संवहनी की समस्या हो तो उन्हें लम्बे समय तक खड़े रहने से बचना चाहिए।

3.4 आहार के बारे में ?

भोजन के सेवन पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होता है। सामान्य तौर पर बच्चों को उनकी उम्र के हिसाब से सामन्य व संतुलित भोजन करना चाहिए। बढ़ते हुए बच्चों के लिए संतुलित और

स्वस्थ आहार में पर्याप्त प्रोटीन, कैल्शयिम और वटिामनि से भरपूर होना चाहएि।
कर्तकिोस्तेरोइद लेने वाले बच्चों को भूख ज्यादा लगती है कनि्तु इन्हें अधकि खान – पान से
बचना चाहएि।

3.5 क्या जलवायु से यह बीमारी प्रभावति हो सकती है।
नहीं, जलवायु से बी.डी. की अभवि्यक्तति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

3.6 क्या इन बच्चों का टीकाकरण कयिा जा सकता है ?
चकित्सिक ही फैसला करता है की बच्चे को कोनसा टीका लगा सकते है। इम्युनोसप्रेसवि
दावा (साइक्लोस्पोरनि ए, साइक्लोफोस्फमाइड, एंटी-टी.एन.एफ. इत्यादी), से ईलाज लेने
वाले बच्चों को नम्निलखिति टीकाकरण (एंटी रूबेला, एंटी मसिल्स, एंटी मम्प्स, एंटी
पोलयिो सबनि) ईलाज के कुछ समय पश्चात दयिा जाता है। यह इसलएि क्योंकि इनमे
जीवति वायरस होते है।
वह टकि जनिमे जीवति वायरस नहीं है जैसे (एंटी टटिनेस, एंटी डफि्थेरयिा, एंटी पोलआि
साल्क, एंटी हेपेटाईटसि बी. एंटी परटूसीस, न्युमोकोकस, हेमोफलिस, मेनंगिोकाकास,
इन्फ्लुएंजा), इन बच्चो को दएि जा सकते है।

3.7 यौन जीवन, गर्भावास्ता, और जन्म नयिंत्रण के बारे में ?
लैंगगि अल्सर का वकिसति होना यौन जीवन को प्रभावति कर सकता है। इन अल्सर में दर्द
होने से सम्भोग में बाधा आ सकती है। बी.डी. वाली महलिाओं में यह रोग हल्के रूप में होता है
और उनको सामान्य गर्भावस्था का अनुभव होना चाहएि। इम्यूनोस्प्रेसवि दवाओं का
उपयोग चलते समय जन्म नयिंत्रण साधन पर ध्यान रखना आवश्यक है। मरीज को
गर्भावस्था और जन्म नयिंत्रण के समय चकित्सिक की सलाह जरुर लेना चाहएि।